

जब अवानक मच गई चीख-पुकार

बछड़ा बचाने के चक्कर में कंटेनर ने टेंपो को मारी टक्कर 3 महिलाओं की मौत, 13 घायल

* सूचना पर आनन्-फानन में पहुंचे बरखेड़ा थाना प्रभारी अरविंद चौहान, राहत बचाव कार्य में जुटे

जन एक्सप्रेस | बरखेड़ा

बीसलपुर-पीलीभीत हाइवे पर थाना क्षेत्र के गांव पतरासा भट्ठा-नवादा के बीच सवारी में खाचाच भरे थे जोरदार टक्कर में पीछे से जोरदार टक्कर मारी दी। जिससे टेंपो में सवार तीन महिलाओं की दर्दनाक मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। बही घायलों में 9 लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है जिन्हे प्राथमिक उचाचर के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बही मृत महिलाओं में देवरानी-जैवानी भी समिल है। बताया जा रहा है कि टेंपो में मृतक



महिलाओं सहित 14 लोग सवार थे। और टेंपो के पीछे आ रहे दो मोटर साइकिल सवार भी चेपेट में आकर घायल हो गए हैं। वही सभी घायलों को आनन्-फानन में बरखेड़ा के सीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक उचाचर के बाद नौ गंभीर घायलों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया और दो लोगों को हल्की चोटे आईं जिन्हे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। बही गंभीर घायलों को टेंपो में बीसलपुर-पीलीभीत हाइवे पर थाना क्षेत्र के गांव सवारी बैठकर बरखेड़ा से बीसलपुर की ओर जा रहा है।

गाव पतरासा भट्ठा और नवादा के बीच में सड़क हाइवे हो गया। टेंपो में 14 सवारियों बीटी हुई थी। सड़क हाइवे में बीसलपुर के मोहल्ले दुबे निवासी चंद्रकली (65) पनी संतराम व उनकी जेठनी उम्री देवी (70) पनी रोशनलाल और बोली क्यालाडिया के गांव अटांगा चंदपुर निवासी फलाना की मौत हुई है। मृतकों के परिवारों में कोरोना मचा हुआ है और परिवार के लोगों का रोगेकर बुरा हाल है।

पड़ोसी की कच्ची दीवार गिर जाने से दो लोगों की मौत 6 लोग हुए घायल



* शादी की खुशियां मातम में बदली

जन एक्सप्रेस | बीसलपुर

जनपद की तहसील बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम भसूडा निवासी छेवालाल पुत्र सोहनलाल उम्र 40 वर्ष से बताया कि आज उनकी

पुरी का विवाह हो। बारात गांव के बाहर पुलिया पर पहुंच चुकी थी। बारातियों के स्वागत की तैयारी कर रहे थे। इसी समय पड़ोसी दिनेश पुरुष भसूडा, चंद्रकली की कच्ची दीवार गिर गई। जिसकी चेपेट में आकर महावीर पुरुष समय लाल 18 वर्ष निवासी भसूडा, चंद्रकली पुत्र रोशन लाल 18 वर्ष निवासी गरगाइथा थाना दियोरनिया, अखिलेश पुत्र रोशन लाल 18 वर्ष निवासी भसूडा, चंद्रकली पुत्र रोशन लाल 18 वर्ष निवासी गरगाइथा थाना भुता की मौत हो गई। घायलों को 108 एंबुलेंस से बीसलपुर समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गयी तथा आधा दुर्जन से अधिक

पृथ्वी दिवस : करेंगे पृथ्वी की रक्षा तभी हमारी सुरक्षा

जन एक्सप्रेस | विशेष

पृथ्वी को हम सभी माँ कहकर पुकारते हैं। आज उसी माँ का दिवस है पृथ्वी दिवस। समर्पण मानव पर जीव-जुगु जियसी गोद में अपना संपूर्ण जनन बिताते हैं और अनें में उसी में समाहित हो जाते हैं, उस पृथ्वी के प्रति अपने सभी कर्तव्य को निमाने हेतु सकल्प का दिवस है— पृथ्वी दिवस। यह प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है।

अनंत काल से हमारी पृथ्वी पुजीत रही ही है। माँ स्वरूप में पूजित पृथ्वी को हमसभी आनंद पेर से सर्वश्रद्धा करते हैं यह हमारी विश्वाता है। इसलिए शरुआती में सुबह उठती ही देवी पृथ्वी पर पैर रखने से पहले ही उसे क्षमा मानने को बाधा याद गया है— सम्प्रदान देवी, पर्वत-स्तन-महिल।

विष्णु-पत्नि नमस्तुत्य, पाद-स्पर्श क्षमस्व मे॥

अर्थात् सम्पुर्ण रूपी वर्ष करने वाली पर्वत रूपी स्तनों से महिल भगवान पाद (पैर) स्पर्श के लिए क्षमा करें। बना पैर रखे हमसभ का कार्य असंभव है परन्तु जो इस पृथ्वी पर पर्यावरण है उसको बचाना तो सम्भव है। पर्यावरण की जांच एवं सम्पादन का कर्तव्य रहा है जिसका पालन मानव वर्ग पूर्व से करता रहा है। हमारी सभ्यता केवल एक दिन की नहीं बल्कि प्रत्येक दिन इस वर्ष करने संकल्प करने से पहले ही उसे क्षमा मानने को बाधा याद गया है।

परन्तु ऐसा क्षमा हुआ जिसके लिए पृथ्वी के लिए एक खास दिवस मनाने की जरूरत पड़ी, इसका इतिहास जानकर एवं वर्तमान देखकर दुःख होता है।



रेडियोमेट्रिक डेटिंग की जानकारी के अनुसार हमारी पृथ्वी 4.5 अरब वर्ष पुरानी
पृथ्वी दिवस का अर्थ डे शब्दों को लोगों के बीच सबसे पहले लाने वाले जुलियन कैनिंगथे। 22 अप्रैल जुलियन कैनिंग का जन्म दिवस था। कैनिंग ने अपने जन्मदिवस को अर्थ डे के साथ मनाने का फैसला किया। गोलांड के पूर्व के अनेक प्रापास व कैलिंगा के जन्मदिवस— पृथ्वी दिवस को पहली बार सन् 1970 में मनाया गया था। आज विश्व के लगभग 193 से अधिक देशों में इस अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस को मनाया जाता है। इस दिवस को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में मानाने की शुरूआत प्रायोदयीय सुरक्षा को बहतर व्याप देने के लिये प्राप्त हुई। पर्यावरणीय पृथ्वी के साथ ही युद्ध-विरोधी आदोलन को नियन्त्रित करना, दूसरे जीव-जन्म-उपर्युक्त लोगों को जागरूकता बढ़ाने के लिये पृथ्वी दिवस की स्थानीय कार्यों की आवश्यकता होती है। आज पृथ्वी दिवस विश्व के एक अरब से ज्यादा लोगों द्वारा एक साथ मनाया जाता है। रेडियोमेट्रिक डेटिंग की जानकारी के अनुसार हमारी पृथ्वी लगभग 4.5 अरब वर्ष पुरानी है।

पृथ्वी दिवस की स्थापना 1970 में सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन ने ही की

पृथ्वी वर्ष पर्यावरण के प्रति लोगों को दिवालिंग भूलते गये। अमेरिकी पर्यावरण के चिता किये जिना बड़े पैमाने पर अंटीमोबाइल के माध्यम से उच मात्रा में सीसा गेस का उपचार कर रहे थे। वे जीव तांत्री की जारी भी चिना नहीं किये की इसका भूगतान होगा। लोग जीवों को अन्धाधुकार काटते गये। लास प्रकार कई अन्य ऐसे कारण जैसे यह जीववरण की जांच के लिए विश्वात् अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस को मनाया जाता है। 1962 में राशेल कार्सन ने इसके विरुद्ध आवाज उठायी विकॉन्सन सीनेटर गेलॉर्ड नेल्सन संयुक्त राज्य अमेरिका में बिंगड़ते माहोल को लेकर चितित थे। जारी रही 1969 में, उसने और कई अन्य लोगों ने उत्तराधीन राज्यों के लिए विश्वात् अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी के लिए एक खास दिवस मनाने की जरूरत पड़ी, इसका इतिहास जानकर एवं वर्तमान देखकर दुःख होता है।

नदियों को जोड़ने की योजना का खाका बनाया

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भारतीय स्तर पर नदियों को जोड़ने की योजना का खाका बनाया। वे जल संरक्षण के साथ-साथ पर्यावरण को केंद्र समझदार नदियों पर ही लाने की योजना का जागरूकता लाने का अधिकारिक नाम नहीं दिये थे। नेल्सन ने इस दिवस की शुरूआत पर्यावरण के शिक्षा के रूप में की। वे

2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने लाने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने लाने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

जिसे हर साल मानव व्यवरों के बलने और वैष्णव, राष्ट्रीय और स्थानीय निम्न में बदलने के लिए कारबोन द्वारा वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। और अंत में उसी में समाहित हो जाता है। वर्ष 2023 में इसका थीम हमारे ग्रह में विशेष शिम।

वर्ष 2024 के लिए थीम ग्रह बनाम प्लास्टिक।

पृथ्वी दिवस को दुनिया में सबसे बड़े धर्मनिषेष उत्सव के रूप में व्यापक रूप से मान्य